Title:Demand to pay the arrears of the sugarcane growers of the Uttar Pradesh before the closure of the sugar mills.

श्री राम नगीना मिश्र (पडरौना) : महोदय, ऊपर शांति है लेकिन भीतर अशांति है। ... (व्यवधान) उपाध्यक्ष महोदय, सचमुच में गन्ना किसानों को कोई पूछने वाला नहीं है। करोड़ों किसान जो गन्ना बो रहे हैं, वे आज भूखे मर रहे हैं। वे ३५-४० रुपए क्विंटल गन्ना कोल्हू को दे रहे है। आज उत्तर भारत में चीनी मिलों की हालत बहुत खराब है। चीनी निगम की ३५ मिलें हैं। उनमें से पांच मिलें बाराबंकी, बरेली, महोली, नवाबगंज और नथगंज में हैं। उन्हें पहले से ही बंद कर दिया गया है। मेरठ, रामपुर, हरदोई, मुंडेरवा, छितौनी, घुघली, पड़रौना, कठकुइंया और गौरी बाजार की चीनी मिलें भी पहले से बंद हैं। १४ मिलें बंद हो गई हैं। भटनी, बैतापुर, देवरिया, रामकोला, खेतान और लक्षमीगंज मिलें बंद होने जा रही हैं। गन्ना किसान कहां जाकर रोए, किस दरबार में जाकर रोए? गन्ना किसानों का अरबों रुपया बाकी है। लोग जेल जा रहे हैं। हम भी जेल गए थे। मैं पूछना चाहता हूं कि मैं जेल में जाऊं या आपके यहां फरियाद करूं या मंदिर में फरियाद करूं। मैं कहां जाऊं और किस देश में जाऊं? प्रधान मंत्री जी ने वायदा किया था कि जब हमारी हुकूमत आएगी तो हम गन्ना किसानों की रक्षा करेंगे।

13.00 hrs.

आज दोनो जगह हमारी हुकूमत है, हम किस के यहां फरियाद करें? गन्ना मिल पर किसानों का अरबों रुपया बाकी है लेकिन गन्ना मिलें बंद हो रही हैं। गन्ना किसान मर रहा है, आन्दोलन हो रहे हैं। मैं इस सदन के माध्यम से आपसे पूछना चाहता हूं और पूरे सदन से निवेदन करना चाहता हूं कि इसमें गन्ना किसान का क्या कसूर है, इनके साथ न्याय कब होगा? इसी सदन में हमारे गृह मंत्री जी ने कहा था कि गन्ना किसानों के बारे में कृषि मंत्री जी से जानकारी प्राप्त करके सदन को सूचित करेंगे लेकिन वह नहीं हुआ। मैंने नियम १९३ के अधीन नोटिस दिया है। मैं आपसे और अपने विरोधियों से प्रार्थना करना चाहता हूं कि इस मामले में सहयोग करें। मैं आपके माध्यम से यह प्रार्थना करना चाहता हूं कि यहां मंत्री जी कम के कम यह आश्वासन तो दें कि किसानों के प्रति न्याय किया जायेगा। मैं चाहता हूं कि मंत्री जी बयान दें।

डॉ. मदन प्रसाद जायसवाल (बेतिया) : उपाध्यक्ष जी, मैं श्री मिश्रा जी की बातो से सहमत हूं। बिहार में भी गन्ना किसानो का मामला है

... (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : मिश्रा जी, मैं सरकार को कम्पैल नहीं कर सकता। यदि वह रिएक्ट करना चाहे तो कर सकती है। इसलिये आपका जो अनुरोध है, वह कह दीजिये।

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI (RAIGANJ): Sir, I want to know as to who, from the treasury benches, is taking note of all the issues being raised here...(Interruptions)...Who is taking note of them, on behalf of the Government, to convey the matters to the appropriate Ministries? It is our right to know.

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Dasmunsi, during `Zero Hour"", nobody takes note of it.

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : Does it mean that we are speaking in the air? We are not speaking in the air...(Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Dasmunsi, please hear me. During `Zero Hour"", when a matter is raised or taken up, if the Government wants to react immediately, they will react. Otherwise, they will convey it.

... (Interruptions)

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : Just now, Shri Pramod Mahajan, on behalf of the Government, had said that in `Zero Hour"", the Ministers do not react but the Government takes note of everything and conveys to the concerned Ministers. That is why, in line with Shri Pramod Mahajan, I am asking as to who is taking note of the issues being raised here. It is our right to know it....(Interruptions)

हम तो आपको सपोर्ट कर रहे हैं, यदि आप नहीं सुनते तो बोलते रहिये।

श्री जे.एस. बरार : उपाध्यक्ष जी, गन्ने का सवाल हमारे सामने भी है। पंजाब में चाहे कॉटन हो..

MR. DEPUTY-SPEAKER: We have come up to Sl.No. 17 and there are more Members to speak.

... (Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: When I am on my legs, you will have to sit down. When any matter is raised during the `Zero Hour"", if the Government want to react immediately, they react. Otherwise, they silently take note of it. It is not that they do not take note of it. They do take note of it.

Now, in this matter, I cannot compel the Government.

आप सीनियर मैम्बर हैं। मैं सरकार को तो कम्पैल नहीं कर सकता। हां, अगर वे रिएक्ट करना चाहे तो कर सकते है।

Otherwise, I will go to the next item.

SHRI S. BANGARAPPA (SHIMOGA): Sir, I want a clarification. It is all right to raise points in the `Zero Hour"" touching one issue. As per the rules, we are not compelling the Government to give an instant reply because they will not be well armed with all the replies required and answer any question that is raised here.

But to say that the Government does not take note of these things means, I think, it goes unanswered. You should have clarified the position...(Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: I have already clarified the position. They do take note of it.

THE MINISTER OF CULTURE, YOUTH AFFAIRS AND SPORTS (SHRI ANANTH KUMAR): Sir, the Government has taken serious note of the problems of the sugar cane growers in Uttar Pradesh and various other parts of the country...(Interruptions) I am not enumerating all the States. But it will be conveyed to the hon. Agriculture Minister for the required action.

">श्री राम नगीना मिश्र (पडरौना) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री जी के बयान से संतुष्ट नहीं हूं। एक निवेदन है। जब अपनी शक्ति काम नहीं करती है तो भगवान का ही भरोसा होता है।

">

">उपाध्यक्ष महोदय : आप भगवान पर भरोसा रखिये।

">

">श्री राम नगीना मिश्र (पडरौना) : आप गन्ना किसानों की व्यथा सुन लीजिए।

">

">'अभागा हमरे देसवा के गन्ना किसान।

">

">गाज़ी मियां मुर्गा मांगे,

">

">काली माई मांगेली चिरकी और कान।

">

">नेता लोग वोट मांगे, गवर्नमेंट टैक्स मांगे,

">

">अमला वकील रहें, छोड़ दे ईमान।

">

">सब कोई हमनी से मांगे, हमनी का कैसे मांगेली

">

">हमनी अभागवन के दाता सियाराम।'

">

">यही हमारा कहना है।

">